राधा कमल मुकर्जी : चिन्तन परम्परा

वर्ष 2 अंक 2 **जुलाई-दिसम्बर 2000**

1. **सामाजिक अनुसंधानों में कम्प्यूटर की उपादेयता** – डॉ. श्यामधर सिंह, प्रोफेसर समाजशास्त्र विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी तथा डॉ. मीरा सिंह, प्रवक्ता समाजशास्त्र, आगरा कालेज, आगरा (उ.प्र.)
2. **विकास का पुनर्विचार** – डॉ. वीरेन्द्र सिंह, रीडर एवं अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, श्री.म.रा. दास पी.जी. कालेज, भुड़कुड़ा, गाज़ीपुर (उ.प्र.)
3. **विवाह से संबंधित विधिक प्राविधान** – प्रोफेसर आर.बी.एस. वर्मा, प्रोफेसर समाजकार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ.प्र.)
4. **ज्योतिबा फूले का सामाजिक-राजनीतिक चिंतन** – डॉ. रामबहादुर वर्मा, रीडर एवं अध्यक्ष राजनीतिशास्त्र विभाग, फिरोज गांधी पी.जी. कालेज, रायबरेली (उ.प्र.)
5. **स्त्रियों का सामाजिक स्तर तथा जनसंख्या वृद्धि** – डॉ. श्याम कार्तिक मिश्रा, अर्थशास्त्र विभाग, सकलडीहा पी.जी. कालेज, सकलडीहा, चन्दौली तथा डॉ. वीरेन्द्र सिंह, अर्थशास्त्र विभाग, राजकीय महाविद्यालय, जक्खिनी, वाराणसी (उ.प्र.)
6. **प्रकृति के प्रतिष्ठापक पर्व : सरहूल** – डॉ. एच.एन. सिंह, स्नातकोत्तर जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, रांची विश्वविद्यालय, रांची (झारखण्ड)
7. **औद्योगिक विकास तथा पर्यावरण संकट** – डॉ. राजमणि त्रिपाठी, रिसर्च एसोसिएट, गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्था, झूसी, इलाहाबाद (उ.प्र.)
8. **हिन्दी माध्यम से समाजशास्त्र अध्यापन और उसकी समस्याएं** – डॉ. राधेश्याम वार्ष्णेय, अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, एस.बी. कालेज, अलीगढ़ तथा पी.के. चौहान, अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, बी.वी. रूरल इन्स्टीट्यूट, बिचपुरी, आगरा (उ.प्र.)
9. **कार्यरत शिक्षित महिलाओं के धार्मिक दृष्टिकोण** – डॉ. बी.डी.एस. गौतम, रीडर समाजशास्त्र विभाग, नारायण कालेज, शिकोहाबाद एवं डॉ. श्यामा शर्मा, पूर्व शोध अध्येत्री, नारायण कालेज, शिकोहाबाद (उ.प्र.)
10. **महर्षि बाल्मीकि का चतुर्युगीय सामाजिक उद्विकास सिद्धान्त : एक अध्ययन** – डॉ. श्याम लाल निर्मोही, रीडर एवं विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, भारतीय महाविद्यालय, फर्रूखाबाद (उ.प्र.)
11. **संक्रमणकालीन भारतीय परिवार : दबाव एवं समस्याएं** – डॉ. मोहम्मद अहमद, रीडर समाजशास्त्र विभाग, मुमताज डिग्री कालेज, लखनऊ (उ.प्र.)
12. **भारतीय समाज में उभरते विघटनकारी प्रतिमान** – डॉ. आनन्द कुमार खरे, अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, डी.वी. पी.जी. कालेज, उरई (उ.प्र.)
13. **एकल और द्विअर्जक दम्पतियों में भूमिका-वितरण** – डॉ. रन्जू राठौर, अस्थायी प्रवक्ता समाजशास्त्र विभाग, उपाधि महाविद्यालय, पीलीभीत (उ.प्र.)